विज्ञप्ति

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर –मासिक पत्रिका

संस्करण 9, अंक 04, अप्रैल 2025

विषयसूची

- जन नेतृत्व कार्यक्रम
- संकाय प्रकाशन
- भारतीय प्रबंध संस्थान–रायपुर द्वारा महिला शक्ति–रथ का आयोजन
- डिजिटल स्वास्थ्य में डिप्लोमा कार्यक्रम – चौथा बैच
- 'पिच महाकुंभ 2025
- भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर की गतिविधियां
- शोध संगोष्ठी का आयोजन
- कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श
- पीएच.डी. कार्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ
- मीडिया

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विधायकों को सशक्त बनाने हेतु दो दिवसीय जन नेतृत्व कार्यक्रम का आयोजन किया।'

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर, जो कि 'उद्यमियो के निर्माण' के लिए विख्यात एक अग्रणी संस्था है, ने छत्तीसगढ़ के विधायकों (विधानसभा सदस्यों) के लिए आयोजित दो दिवसीय जन नेतृत्व कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। यह अभिनव पहल 22 से 23 मार्च, 2025 तक आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की प्रभावशीलता और नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ करना था, जिससे 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक ठोस आधार तैयार किया जा सके।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मुख्य अतिथि श्री विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया। उनके साथ माननीय नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा माननीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, छत्तीसगढ़ सरकार, श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए, छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री, श्री विष्णु देव साय ने कहा, ''यह जन नेतृत्व कार्यक्रम नए समाधानों को साझा करने का एक सशक्त मंच है और छत्तीसगढ़ 2047 के विकास लक्ष्य को प्राप्त करने में उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगा। यदि हमें राज्य को आगे ले जाना है, तो हमें सभी चुनौतियों से निपटने के लिए समान रूप से तैयार रहना होगा। हमें जनहित में प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग पर जोर देना होगा। एक जनप्रतिनिधि के रूप में आम लोगों के प्रति आपका व्यवहार ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है, और यही लोगों का आप पर और संसदीय प्रणाली पर विश्वास मजबूत करेगा।"

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार कांकाणी ने कहा, ''हमारे संस्थान में, हम शिक्षा और प्रशासन के बीच की दूरी को कम करने में विश्वास रखते हैं। यह कार्यक्रम केवल ज्ञान अर्जन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक मानकों को ऊँचा उठाने और अन्य राज्यों को प्रेरित करने के लिए सहयोग, विचारों के आदान–प्रदान और नवीन समाधानों को साझा करने का एक अवसर भी है। यह कार्यक्रम निर्णय–निर्माण और क्षमतावर्धन के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु डिजाइन किया गया है, जो कि रणनीतिक संवाद के तत्वों पर आधारित है और 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।"

नेतृत्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सभी सदस्यों ने लगभग एक माह तक सक्रिय भागीदारी निभाई, और उसके तुरंत बाद आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति सराहनीय है। उन्होंने कहा, ''आप सोच रहे होंगे कि जीतने के बाद हमें प्रशिक्षण की आवश्यकता क्यों है। परंतु जीत के बाद हमारी जिम्मेदारियाँ और भूमिकाएँ बढ़ जाती हैं, इसलिए हमें निरंतर सीखते रहना चाहिए। हमें केवल अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के लिए कार्य करना चाहिए।"

माननीय नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, ''यह सोचना गलत होगा कि विधायक बनते ही हम नेता बन गए। नेता बनना एक प्रक्रिया है और हमें इसे सीखना चाहिए। जशपुर का एक आदिवासी बेटा कठिन परिस्थितियों को पार करके आज मुख्यमंत्री बना है यही हमारे लोकतंत्र की सुंदरता और उसकी ताकत है । हम सभी का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाना है, और हमें इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।"

दूसरे दिन, समापन सत्र में कई सम्मानित गणमान्य व्यक्तित्व एकत्रित हुए। डॉ. रमन सिंह, माननीय अध्यक्ष (छत्तीसगढ़), डॉ. चरणदास महंत, माननीय विधायक (छत्तीसगढ़), और श्री केदार कश्यप, माननीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, छत्तीसगढ़ ने अपने विचार साझा किए। भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार कांकाणी ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. संजीव पराशर और प्रो. सुमीत गुप्ता ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य संचालक प्रो. अर्चना पाराशर ने भी अपने विचार साझा किए।

दो दिवसीय नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत अत्यंत अनुभवी वक्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें वित्तीय योजना एवं बजट निर्माण, सार्वजनिक जीवन एवं वृत्तांत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं प्रौद्योगिकी, मीडिया एवं जनसंपर्क प्रबंधन, जनप्रतिनिधियों के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियाँ, तथा सुशासन और जीवन में परिवर्तन जैसे विषय शामिल थे।

दृष्टि

"एक ऐसा प्रमुख प्रबंधन संस्थान बनना, जो जिज्ञासा, समझदारी और नवाचार को बढ़ावा देते हुए, पढ़ाई और शोध के ज़रिए नेतृत्व की सोच को प्रेरित करे।"

उद्देश्य

"ऐसे भावी लीडर का निर्माण करना जो शोध, अभ्यास और सतत् शिक्षण के माध्यम से प्रबंधन के क्षेत्र में नई सोच और सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम हों।

संकाय प्रकाशन/सम्मेलन सहभागिता

मनोजित चट्टोपाध्याय और प्रदिप्तरथी पांडा (2025): प्रतिभूति बाजार में खुदरा निवेशकों का व्यवहारः एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण । दिनांक 3-5 मार्च, 2025 को 59वीं वार्षिक भारतीय अर्थमितीय समाज (TIES) संगोष्ठी, का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा किया गया।

सारः महामारी के बाद भारतीय प्रतिभूति बाजारों में व्यक्तिगत निवेशकों की वृद्धि देखी गई है। प्रतिभूति बाजार के विकास के संदर्भ में भारतीय बाजारों ने विश्व के अन्य देशों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया हालांकि, आज की आवश्यकता ऐसी सट्टात्मक गतिविधियों से खुदरा प्रतिभागियों को कम करना है जिसके परिणामस्वरूप भारी नुकसान होता है, क्योंकि सेबी आईपीओ, नकद और एफएंडओ बाजारों में रिपोर्ट दर्शाया गया है। यह अध्ययन प्रतिभूति बाजारों के चुनिंदा क्षेत्रों पर खुदरा निवेशकों, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक नीति अनिश्चितता के प्रभाव की जांच करता है। हम ब्लूमबर्ग से 30 नवंबर, 2011 से 30 जून, 2024 तक मासिक डेटा एकत्र करते हैं। हम संबंधित बाजारों पर एफपीआई और डीआईआई के प्रभाव की भी जांच करते हैं। हम अध्ययन के उद्देश्यों की जांच करने के लिए मशीन लर्निंग टूल्स (रैंडम फॉरेस्ट) लागू करते हैं। परिणाम में पाया गया है कि एफआईआई भारतीय बाजार को प्रभावित नहीं कर रहे हैं, डीआईआई और व्यक्तिगत निवेशक भारतीय बाजारों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा, विनिमय दर, राजनीतिक अस्थिरता, आईआईपी और ब्याज दर का प्रसार भारतीय बाजारों और चुनिंदा क्षेत्रों को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। यह अध्ययन शेयर बाजारों पर व्यक्तिगत निवेशकों, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक नीति अनिश्चितता सूचकांक के प्रभाव का आकलन करके साहित्य में योगदान देता है। इस अध्ययन के परिणाम निवेशकों, बाजार सहभागियों और प्रतिभूति बाजारों के नियामकों के लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

जोशी, शेजिन और पांडा, प्रदीप्तरथी। 2025- "भारत में सक्रिय और निष्क्रिय म्यूचुअल फंडों का प्रदर्शन – कोविड से पहले और उसके दौरान''। वित्तीय प्रौद्योगिकी, सांख्यिकी, अर्थमिति और जोखिम प्रबंधन की पुस्तिकाः खंड 3, अध्याय 81।

URL:https://worldscientific.com/worldscibooks/10.1142/14038#t=aboutBook

सारः कोविड–19 महामारी वैश्विक स्तर पर सभी बाज़ारों के लिए एक अप्रत्याशित झटका था। 'शेयर बाजारों ने उच्च अस्थिरता का अनुभव किया और अधिकांश निवेशकों ने ''खरीद और पकड़'' रणनीति को नियोजित करने के लिए सक्रिय से निष्क्रिय निवेश में स्थानांतरित करने की कोशिश की।' दूसरी ओर, सक्रिय फंड प्रबंधकों के पास बाजार में प्रचलित उन अत्यधिक अस्थिर और लचीले परिदृश्यों के दौरान बेहतर परिणाम उत्पन्न करने और बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन करने का विशाल अवसर था। इस अध्ययन का उद्देश्य 2018 से 2022 तक पिछले चार वर्षों के दौरान भारत में निष्क्रिय और सक्रिय म्यूचुअल फंड का महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रदान करना है, जिसे कोविड से पहले और कोविड अवधि के दौरान विभाजित

किया गया है। विचाराधीन निधियों के प्रदर्शन, रिटर्न और अस्थिरता को स्पष्ट रूप से समझने के लिए इस अध्ययन में कई पद्धतियों का उपयोग किया गया था। परिणामों से पता चलता है कि केवल कुछ चयनित सक्रिय निधियों ने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि, धन की रैंकिंग में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जबकि हम कोविड विश्लेषण के दौरान संबंधित निधियों के प्रदर्शन पर विचार करते हैं। हमारा सुझाव है कि निवेशक निवेश करते समय सतर्क रहें और पोर्टफोलियो का चयन करते समय अपनी जोखिम लेने की क्षमता पर विचार करें।

अन्य प्रकाशन लेखक/संकाय

क्र.सं.	लेखक/संकाय	जर्नल का नाम	शीर्षक	श्रेणी
1	प्रोफेसर संजीव पराशर और प्रोफेसर एम. रामकुमार	बेंचमार्किंगः एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	'उद्योग 5-0 में वृत्ताकार अर्थव्यवस्था प्रथाओं को सक्षम करने में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी की क्षमता की जांचः एक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग केस स्टडी	एबीडीसी–बी
2	प्रो. अभिजीत बर्मन	जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड मैनेजमेंट ऑप्टिमाइजेशन	'निर्माता–खुदरा विक्रेता आपूर्ति श्रृंखला में हरित स्तर और विज्ञापन रणनीतियों का अनुकूलनः लागत, लाभ और उपयोगिता विश्लेषण'	एबीडीसी–बी
3	प्रो. मुनमुन गोस्वामी	साक्ष्य–आधारित मानव संसाधन प्रबंधन	सक्रियता का अंधकारमय क्षेत्रः चिंतन कैसे कार्य–जीवन संघर्ष को बढ़ावा देता ह	एबीडीसी–बी
4	डॉ. मनोजीत चट्टोपाध्याय	सूचना प्रणाली संघ के संचार	''व्यक्तिगत विज्ञापन में गोपनीयताः एक व्यापक समीक्षा और भविष्य का एजेंडा"	एबीडीसी–ए
5	डॉ. राजीव ए	क्लीनर उत्पादन जर्नल	जीवन–अंत उत्पाद पुनर्प्राप्ति में उपभोक्ता व्यवहार परिप्रेक्ष्यः एक विन्यासात्मक अध्ययन	एबीडीसी–ए
6	डॉ. राजेश पाठक, डॉ. योगेश चौहान, और डॉ. रंजन दासगुप्ता	व्यावहारिक अर्थशास्त्र	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और आय प्रबंधन के लिए प्रोत्साहनः एक अर्ध–प्राकृतिक प्रयोग से साक्ष्य	एबीडीसी–ए
7	प्रो. केतन रेड्डी	उभरते बाजारों का वित्त और व्यापार	'कोविड–19 के दौरान भारत में फर्मों के निर्यात अस्तित्व पर निर्यात प्रोत्साहन और बैंक ऋण की भूमिका'	एबीडीसी–बी

8	डॉ. रंजन दासगुप्ता	प्रबंधन नियंत्रण जर्नल	'प्रदर्शन में कमी की स्थिति और पर्यावरण, सामाजिक, शासन प्रदर्शनः क्या आर्थिक नीति अनिश्चितता और राष्ट्रीय संस्कृति मायने रखती है?	एबीसीडी–ए / एबीसी–2
9	डॉ. राजेश पाठक	वत्त अनुसंधान पत्र	क्या अच्छा कॉर्पोरेट प्रशासन म्यूचुअल फंड निवेश की लागत कम करता हैः एक उभरते बाजार का परिप्रेक्ष्य'	एबीडीसी–ए
10	डॉ. रामकुमार एम	जर्नल ऑफ एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट	नए युग के उद्यमों की सफलता पर उद्योग 4.0 का प्रभाव – एक संसाधन–आधारित दृष्टिकोण'	एबीडीसी–ए
11	डॉ. प्रकृति सोरल और पीएचडी–पीटी छात्रा, सुश्री पौलमी सिन्हा	भारतीय श्रम सम्मेलन, आईआईएम कोझिकोड में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार	विश्वास की अस्पष्टता को समझनाः भारत के सार्वजनिक क्षेत्र में लिपिकीय और अधिकारी संघों में तुलनात्मक विश्वास गतिशीलता	

<u>सम्मेलनों</u>

क्र.सं.	**संकाय का नाम**	**सम्मेलन का नाम / सम्मेलन शीर्षक / कार्यशाला**	**आयोजक समिति**	**शोध पत्र का शीर्षक**	**दिनांक**
1	प्रो. शबना पी	केरल में राजनीतिक भागीदारी के लिए राज्य हस्तक्षेप, धार्मिक बहस और महिलाओं की बातचीत	हिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडी), दिल्ली	अतीत पर प्रतिबिंब, भविष्य की ओर देखते हुएः समानता सम्मेलन की दिशा में पचास वर्ष	मार्च 2–5, 2025
2	प्रो. प्रकृति सोरल	भारतीय श्रम सम्मेलन	भारतीय प्रबंध संस्थान, कोझिकोड	व्यावसायिक कलंक के अंतर अनुभवों का सामना करनाः सकारात्मक समर्थन संबंधों की भूमिका	मार्च 28–29, 2025

3	प्रो. प्रकृति सोरल	भारतीय श्रम सम्मेलन	भारतीय प्रबंध संस्थान, कोझिकोड	नेविगेटिंग ट्रस्ट महत्वाकांक्षाः भारत के सार्वजनिक क्षेत्र में लिपिक और अधिकारी संघों में तुलनात्मक विश्वास गतिशीलता	मार्च 28–29, 2025

<u>भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने शक्तिरथ की मेजबानी की</u>

भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर, जिसे 'उद्यमियों–के–निर्माण के लिए एक अग्रणी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''शक्तिरथ 2025'' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रेरणादायक शिखर सम्मेलन में नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका का उत्सव मनाया गया, जिसकी थीम थीः''बाधाओं को तोड़ते हुए, सेतु निर्माण की ओरः नेतृत्व में अग्रणी महिलाएँ''।

इस दिन उद्योग जगत के अग्रणी, नीति निर्माता और विचारक एक साथ आए और महिला नेतृत्व के उभरते परिदृश्य तथा उद्योगों में नवाचार और परिवर्तन लाने में उनकी भूमिका पर चर्चा की।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फेडेक्स की प्रबंध निदेशक सुश्री मयूरी श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि टाटा उपभोक्ता उत्पाद की निदेशक सुश्री पंखुड़ी गुप्ता सहित कई प्रतिष्ठित वक्ता उपस्थित भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के निगमीय संबंध एवं नियुक्ति प्रक्रिया की चेयरपर्सन प्रो. रश्मि शुक्ला ने अपने स्वागत भाषण में महिलाओं के लिए नेतृत्व में उत्कृष्टता के लिए एक मार्ग बनाने पर जोर देते हुए कहा, ''यह शक्तिरथ का तीसरा परिणामी वर्ष है, जिसका उद्देश्य न केवल एक दिन मनाना है, बल्कि महिला एमबीए छात्रों के लिए यात्रा को आगे बढ़ाना है, महिलाओं की सफलताओं का जश्न मनाना और इसे हमें आकार देने देने का अवसर देना है।''

प्रो कमल के जैन, विशिष्ट प्रोफेसर एवं संकाय समन्वयक, ने अपने संबोधन में महिलाओं की शक्ति और महत्व को रेखांकित किया, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार महिलाएं परिवार, दोस्तों और करियर के बीच संतुलन बनाए रखती हैं और फिर भी समाज से उन्हें अपेक्षित मान्यता नहीं मिलती यही इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बनाता है। उन्होंने उल्लेख किया, ''सम्मान एक उपकार नहीं हैः यह एक मौलिक अधिकार है, और जब यह मायने रखता है और दूसरों के लिए बोलना सीखना आवश्यक है।''

सच्चे सशक्तिकरण और एक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर सभा को संबोधित करते हुए, जहां महिलाएं निर्भरता के बोझ के बिना करियर और परिवार दोनों का प्रबंधन कर सकती हैं, दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हुए, सुश्री श्रीवास्तव ने कहा ''अदृश्य अनकही बाधा को तोड़ना (Breaking the glass ceiling) केवल महिलाओं के प्रयासों से संभव नहीं हैय इसके लिए पुरुषों की साझेदारी और एक समान तथा समावेशी कार्य वातावरण की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है"।

समापन भाषण के दौरान, सुश्री गुप्ता ने आत्मविश्वास रखने, अपने मूल्य को साबित करने और भविष्य के लिए खुद को तैयार करने के महत्व को साझा किया। धन्यवाद ज्ञापन में प्रो. रश्मि शुक्ला ने शक्तिरथ

2025 को सफल बनाने में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पेशेवर जीवन के लिए तीन 'सी' के महत्व पर बल डालाः आत्मविश्वास (Confidence), प्रभावी नियंत्रण(Command) और (Courage)साहस।

यह आयोजन उच्च प्रभाव वाले नेटवर्किंग अवसरों के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है, तथा उभरते नेताओं और स्थापित उद्योग दिग्गजों के बीच संबंधों को बढ़ावा देता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर और डिजिटल स्वास्थ्य विज्ञान अकादमी द्वारा डिजिटल स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/डिप्लोमा बैच–IV हेतु अभिविन्यास एवं प्रेरण कार्यक्रम (Orientation & Induction Program) का आयोजन किया गया।

भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर और डिजिटल स्वास्थ्य विज्ञान अकादमी ने डिजिटल स्वास्थ्य में अग्रणी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/डप्लोमा कार्यक्रम (पीजीसीपीडीएच/डीपीडीएच) बैच–IV के लिए अभिविन्यास एवं प्रेरण कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए हर्ष व्यक्त किया। यह वर्चुअल अभिविन्यास कार्यक्रम 10 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया।

डिजिटल स्वास्थ्य में अग्रणी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/डप्लोमा कार्यक्रम (पीजीसीपीडीएच/डीपीडीएच) कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के ऐसे नेताओं को तैयार करना है जो भारत में डिजिटल स्वास्थ्य क्रांति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य सेवा और प्रौद्योगिकी के संगम पर आधारित एक समग्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिसमें टेलीमेडिसिन, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल स्वास्थ्य नीतियाँ, तथा उद्यमिता जैसे विषय सम्मिलित हैं। इस वर्ष के कार्यक्रम में ऑनलाइन कक्षाएं, इंटरैक्टिव सत्र, लाइव चर्चाएँ, केस स्टडी और भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर में ''तीन दिवसीय व्यक्तिगत अनुभवात्मक कार्यक्रम'' कार्यक्रम शामिल हैं।

आभासी परिचय एवं समावेशन कार्यक्रम में डिजिटल हेल्थ अकादमी के संस्थापक डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता और कार्यक्रम निदेशक प्रो. संजीव पराशर, प्रो. जिज्ञासु गौर, प्रो. संदीप एस और सुश्री मेविश वैष्णव सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के प्रोफेसर, प्रो. जिज्ञासु गौर ने सभी अभ्यर्थियों का हार्दिक स्वागत किया और उन्होंने पाठ्यक्रम में संकाय की विशेषज्ञता पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को वर्चुअल कक्षाओं की बेजोड़ गुणवत्ता का आश्वासन दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उत्कृष्ट संकाय सदस्य उन्हें एक समृद्ध और रूपांतरणकारी शिक्षण अनुभव प्रदान करेंगे। डिजिटल स्वास्थ्य विज्ञान अकादमी के संस्थापक डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता ने डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने में इसके महत्व पर जोर देते हुए पाठ्यक्रम संरचना का एक अंतर्दृष्टि अवलोकन प्रदान किया।

डिजिटल स्वास्थ्य में अग्रणी स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/डप्लोमा कार्यक्रम (पीजीसीपीडीएच/डीपीडीएच) में चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, अधिवक्ताओं तथा विपणन प्रबंधकों का एक विविध समूह सम्मिलित है, जिसकी परिचय प्रस्तुति प्रो. संदीप एस. द्वारा की गई। भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के कार्यक्रम निदेशक, प्रो. संजीव पराशर ने प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों का हार्दिक स्वागत और बधाई दी तथा सभी उपस्थित लोगों के

प्रति आभार व्यक्त करते हुए सफल उम्मीदवारों को बधाई दी। यह कार्यक्रम भारत में डिजिटल स्वास्थ्य शिक्षा और नवाचार को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर ने 'पिच परफेक्ट महाकुंभ 2025' का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर के उद्यमिता प्रकोष्ठ (ई–सेल) ने 16 मार्च 2025 को 'पिच परफेक्ट महाकुंभ 2025' नामक एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक केस प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

'पिच परफेक्ट महाकुंभ' केस स्टडी प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, रणनीतिक सोच तथा उद्यमशीलता दक्षता को प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता ने देशभर से आए कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवा को एक मंच पर एकत्रित किया। इसने महत्वाकांक्षी उद्यमियों को अपने विश्लेषणात्मक और समस्या–समाधान कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया, क्योंकि उन्होंने वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए व्यावसायिक समाधान तैयार करने की दिशा में काम किया। यह आयोजन भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर की व्यावसायिक नेताओं को विकसित करने और स्थायी एवं प्रभावशाली व्यावसायिक रणनीतियों पर चर्चा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण था।

प्रतियोगिता का विषय महाकुंभ 2025 के भव्य आयोजन में किसी भी अंतराल या विसंगतियों की पहचान करना और उन चुनौतियों का समाधान करने के लिए नवीन व्यावसायिक विचारों या प्रस्तावों को प्रस्तुत करना था, जिससे एक प्रभावशाली और उद्देश्यपूर्ण व्यवसाय योजना तैयार की जा सके, जिसके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा सके।

प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई थी, प्रथम चरण ऑनलाइन आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के प्रबंधन छात्रों कृ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंध संस्थान तथा अन्य संस्थानों ने भाग लिया और अपने नवाचारी दृष्टिकोण व सृजनात्मक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए विचार से क्रियान्वयन तक के सशक्त व्यवसायिक योजनाएं प्रस्तुत कीं। द्वितीय चरण का आयोजन भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर परिसर में किया गया, जिसमें चयनित टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा चिंतन मंच (Young Minds Club), इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (IGKV) रायपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के छात्रों ने भी विचार विमर्श और पिचिंग सत्रों में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष और भारतीय वन सेवा (IFoS) के एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी श्री राकेश चतुर्वेदी की उपस्थिति थी, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (PCCF) के रूप में भी काम किया, उन्होंने भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के छात्रों के साथ अपने अनुभव और विचार साझा किए, जो सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहे।

महाकुंभ 2025 की सफलता को रेखांकित करते हुए कृ जो कि परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों का एक उत्सव था और जिसने एक गहरी छाप छोड़ी कृ श्री राकेश चतुर्वेदी ने कहा,"इस पीढ़ी के युवाओं को ऐसे भव्य आयोजनों का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए और प्रशासन के विभिन्न पहलुओं एवं इनमें निहित

संभावित अवसरों का विश्लेषण करना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि,"भारत जब वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है, तब ऐसे प्रभावशाली प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन अत्यंत आवश्यक है, ताकि उद्देश्यपूर्ण सोच से युक्त व्यवसायिक नेतृत्व विकसित किया जा सके। हमें अब और अधिक रोजगार प्रदाता एवं टिकाऊ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्रमांक	तिथि	कार्यक्रम
1	04–10 मार्च 2025	मंत्र – समर्थ
2	04–10 मार्च 2025	कंसुलेरे –रणनीति
3	06–10 मार्च 2025	अर्थ नीति – नीति विचार
4	08 –15 मार्च 2025	आईपीएल क्रिकेट
5	09 मार्च 2025	युवा – सफ़रनामा
6	1013जी मार्च 2025	आईपीएल बास्केटबॉल
7	11 मार्च 2025	इग्नाइटर – डील ऑर नो डील
8	11 मार्च 2025	प्रोडएक्स – प्रोडक्ट मेनिया
9	11 मार्च 2025	एनालिसिस – विजक्वेस्ट
10	13 मार्च 2025	कंसुलेरे – कंसल्टएक्सप्लोर
11	13 मार्च 2025	फिनेटिक्स – मूल्यांकन
12	24–25 मार्च 2025	टेडएक्स आईआईएम रायपुर
13	24–25 मार्च 2025	एंटी रैगिंग जागरूकता अभियान

शोध संगोष्ठी का आयोजन

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर के अनुसंधान कार्यालय ने मार्च 2025 में दो शोध संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिनमें एक बाहरी वक्ता और एक आंतरिक वक्ता ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

क्रमांक	तिथि	वक्ता	विषय
1	3 मार्च 2025	प्रो. क्रिस्टीन फेरियास	पारिस्थितिकीय अर्थशास्त्र
2	28 मार्च 2025	प्रो. प्रदीप्तरथी पांडा	क्या एकल स्टॉक डेरिवेटिव्स में स्थिति सीमाएं इक्विटी बाजारों को लाभ पहुंचाती हैं?

संकाय सदस्यों और पोस्ट–डॉक्टोरल विद्वानों को संगोष्ठी में अपना अनुसंधान कार्य/अनुसंधान पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। ज्ञान और अनुसंधान निष्कर्षों का व्यापक वितरण सुनिश्चित करने के लिए, दूरस्थ भागीदारी के लिए एक जूम लिंक उत्पन्न करने के लिए आईटी टीम से समन्वय के साथ, पूर्व छात्रों को निमंत्रण दिया जाता है।

प्रो. सत्यसिबा दास ने 'उदित होते बाजारों में एआई अपनाने और प्रौद्योगिकी सिद्धांतों की पुनर्परिभाषा' शीर्षक से एक प्रकाशन किया है।

कार्यकारी शिक्षा और परामर्श

माह	क्षेत्र	कार्यक्रम शीर्षक	कार्यक्रम निदेशक(गण)	तिथियाँ	दिवसों की संख्या
अप्रैल 2025	रणनीतिक प्रबंधन	व्यापार वृद्धि के लिए फ्रैंचाइज़िंग	डॉ. संदीप एस., डॉ. शांतनु भद्रा	04 – 06 अप्रैल 2025	5
	संप्रेषण	फ्रैंचाइज़ी से संवाद	डॉ. मृणाल चावड़ा	30 अप्रैल–02 मई 2025	3
	संप्रेषण	शिक्षकों के लिए कक्षा संप्रेषण पर फैकल्टी विकास कार्यक्रम(FDP)	डॉ. अर्चना पराशर, डॉ. मृणाल चावड़ा	30 अप्रैल – 02 मई 2025	3
मई 2025	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	नेतृत्व, न्याय, सहयोग एवं अध्यात्म के माध्यम से कर्मचारी प्रदर्शन एवं कल्याण में वृद्धि	डॉ. बद्रीनारायण एस. पवार	06 – 08 मई 2025	5

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर, जो कि 'उद्यमियों–के–निर्माण' के लिए एक अग्रणी संस्था के रूप में प्रतिष्ठित है, ने अप्रैल एवं मई 2025 के लिए अपने गहन प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (MDP) की श्रृंखला प्रस्तुत की है। ये विकास कार्यक्रम 4 अप्रैल 2025 से 8 मई 2025 तक आयोजित किए जाएंगे।

इन अल्पकालिक, उच्च प्रभाव वाले कार्यक्रमों को पेशेवरों, अधिकारियों और व्यावसायिक नेताओं को आधुनिक ज्ञान, रणनीतिक अंतर्दृष्टि और नेतृत्व क्षमताओं से परिपूर्ण करने के लिए तैयार किया जाता है जो आज के गतिशील व्यावसायिक परिवेश में काम करने के लिए आवश्यक हैं। शिक्षकों की कक्षा में प्रस्तुति को

बेहतर बनाने के लिए, 30 अप्रैल से 2 मई 2025 तक षशिक्षकों के लिए कक्षा संचार पर एफडीपी' नामक एक विशेष संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) भी निर्धारित है।

"हमारे प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDPs) इस प्रकार अभिकल्पित किए गए हैं कि वे सिद्धांत और व्यवहार के बीच की दूरी को कम करें। इंटरएक्टिव सत्रों, केस स्टडीज़ और विशेषज्ञ–नेतृत्व वाले संवादों के माध्यम से ये कार्यक्रम पेशेवरों को नवाचार, लचीलापन और संगठनात्मक सतत विकास को प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाएंगे। प्रत्येक कार्यक्रम को अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा तैयार किया गया है, जिसमें शोध–आधारित रणनीतियों को सहभागिता–आधारित शिक्षण पद्धतियों के साथ मिलाकर एक प्रभावशाली और सहभागी सीखने का अनुभव प्रदान किया जा सके।'

पाठ्यक्रम का फोकस रणनीतिक प्रबंधन, संप्रेषण तथा मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार (HRM & OB) जैसे क्षेत्रों पर होगा। प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDP) कार्यक्रमों का संचालन प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा किया जाएगा, जो शैक्षणिक अनुशासन को व्यावहारिक अनुभव से संयोजित करेंगे।

मार्च 2025 में कार्यकारी शिक्षण कार्यक्रम/ प्रबंधन विकास कार्यक्रम संपन्न हुआ				
क्र.सं	**पाठ्यक्रम शीर्षक**	**प्रारंभ और समापन तिथि**	**प्रतिभागियो की संख्या**	**कार्यक्रम संकाय / निदेशकगण**
1	वीएनआर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी अधिकारियों के लिए भविष्य के नेताओं का पोषण कार्यक्रम	**18–19 मार्च 2025**	23	**प्रो. अनुभा दाधीच (का.सं)** **प्रो. डॉ. जे. डैनियल इनबराज (का.सं)**
2	राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के कार्यकारी अधिकारियों के लिए आरएलआई–सीपत में 'नए युग के संचार और संकट संचार से निपटने' पर एक दिवसीय कार्यशाला।.	**20 मार्च 2025**	20	**प्रो. अर्चना पाराशर (का.सं)** **प्रो. मृणाल चावड़ा (का.सं)**
3	छत्तीसगढ़ सरकार के विधान सभा सदस्यों के लिए जन नेतृत्व कार्यक्रम	**22 – 23 मार्च 2025**	60	**प्रो. राम कुमार कांकाणी (का.सं)** **प्रो. संजीव पाराशर (का.सं)** **प्रो. सुमीत गुप्ता (का.सं)**